पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में आगामी 20 से 23 नवम्बर तक गंगा महोत्सव और आगामी 24 नवम्बर को आयोजित होने वाली देव दीपावली की तैयारियों की समीक्षा की

देव दीपावली काशी की पहचान और सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली पर्व : मुख्यमंत्री

देश–दुनिया से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए

20 से 25 नवम्बर, 2026 तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश

देव दीपावली की रात दीपदान सम्पन्न होते ही घाटों की सफाई करा दी जाए, ताकि अगले दिन प्रातःकाल से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो

ग्रामीण क्षेत्रों के साथ–साथ सारनाथ, मार्कण्डेय महादेव मंदिर, शूलटंकेश्वर मंदिर और प्रमुख कुण्डों पर दीपोत्सव के विशेष प्रबन्ध किए जाएं

नाविकों से संवाद कर उनका सुरक्षा और सुव्यवस्था की दृष्टि से प्रशिक्षण कराया जाए

टैक्सी, होटल, रेस्टोरेंट संचालकों द्वारा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सही मूल्य पर सेवायें उपलब्ध हों

चेत सिंह घाट पर भव्य प्रोजेक्शन एवं लेजर शो, दशाश्वमेध व अस्सी घाट के सामने ड्रोन शो तथा काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने ग्रीन आतिशबाजी का प्रदर्शन होगा

लखनऊ : 11 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में वाराणसी में आयोजित होने वाले गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देव दीपावली काशी की पहचान और सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली पर्व है। देश–दुनिया से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। विगत वर्षों के अनुभवों और समस्याओं को ध्यान में रखकर इस बार और बेहतर इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी श्रद्धालु को परेशानी न हो। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और तय समय–सीमा में सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष गंगा महोत्सव आगामी 20 से 23 नवम्बर तक नमो घाट पर आयोजित होगा। चारों दिन सांस्कृतिक संध्या होगी। मुख्यमंत्री जी ने इसमें स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस बार सभी पक्के घाटों, गंगा के सामने वाले रेतीले तट और शहर के 100 से अधिक कुंडों पर 11 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसमें महिला स्वावलम्बन के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार दीपक भी शामिल किए गए हैं। दीप प्रज्वलन की व्यवस्था के लिए पूरे घाट क्षेत्र और रेतीले तट को सेक्टरों में बांटकर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि देव दीपावली का उल्लास केवल घाटों तक सीमित न रहे, बल्कि समूची काशी में इसका प्रभाव दिखाई दे। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ–साथ सारनाथ, मार्कण्डेय महादेव मंदिर, शूलटंकेश्वर मंदिर और प्रमुख कुण्डों पर भी दीपोत्सव के विशेष प्रबन्ध किए जाएं। 24 नवम्बर को ही गुरु नानक जयंती होने के कारण गुरुद्वारों में लंगर, कीर्तन और

संगत की व्यवस्थाएं भी समय से पूरी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नाविकों से संवाद कर उनका सुरक्षा और सुव्यवस्था की दृष्टि से प्रशिक्षण कराने की जरूरत पर बल दिया।

अधिकारियों ने मुख्य कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आगामी 24 नवम्बर की शाम सभी घाटों पर दीप प्रज्वलित होंगे और दशाश्वमेध घाट पर विश्वप्रसिद्ध महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद चेत सिंह घाट पर भव्य प्रोजेक्शन एवं लेजर शो, दशाश्वमेध व अस्सी घाट के सामने ड्रोन शो तथा काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने ग्रीन आतिशबाजी का प्रदर्शन होगा। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को अंतिम रूप देते समय आम लोगों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान और देव दीपावली के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की सम्भावना है। इसके लिए पूरे घाट क्षेत्र को 10 जोन, 21 सेक्टर और 36 सब–सेक्टर में विभाजित कर जोनल व सेक्टर प्रभारियों की तैनाती की गई है। घाटों पर 27 वॉच टावर, त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यू0आर0टी0), 21 प्रमुख घाटों पर एण्टी–रोमियो स्क्वॉड, निजी गोताखोर और ड्रोन कैमरे तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सहायता के लिए 11 खोया–पाया केन्द्र बनाए गए हैं तथा ई–स्कूटर पर पर्यटक पुलिस लगातार गश्त करेगी।

नदी में सुरक्षा और नावों के संचालन को लेकर अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष की भीड़भाड़ से सीख लेते हुए इस बार नमो घाट से अस्सी घाट के बीच फ्लोटिंग वॉटर जेट्टी लगाकर टू–वे लेन बनाई गई है। नावें नमो घाट से अस्सी घाट की ओर जाएंगी और सामने रेतीले ओर से अस्सी घाट से नमो घाट की ओर लौटेंगी। नदी में डीजल चालित और गैर–जनपदीय बाहरी नावों के संचालन पर रोक रहेगी। राहत व बचाव के लिए एन0डी0आर0एफ0, फ्लड पी0ए0सी0, जल पुलिस और वॉटर एम्बुलेंस निरंतर गश्त करेंगी तथा चेत सिंह घाट पर फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन सक्रिय रहेगा। घाटों पर चेंजिंग रूम, मोबाइल शौचालय, पेयजल टैंकर और पर्याप्त संख्या में सफाईकर्मी तैनात रहेंगे।

यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में अधिकारियों ने बताया कि शहर को जाम से मुक्त रखने के लिए सीमावर्ती जिलों से आने वाले भारी वाहनों के लिए 07 प्रमुख डायवर्जन प्वाइण्ट बनाए गए हैं। शहर के भीतर 31 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है और भीड़–भाड़ वाले मुख्य मार्गों पर ऑटो व ई–रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। आपातकालीन चिकित्सा सेवा के लिए बी0एच0यू0 ट्रॉमा सेण्टर, सर सुंदरलाल अस्पताल और पं0 दीनदयाल अस्पताल सहित प्रमुख सरकारी व निजी अस्पतालों को जोड़ते हुए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने पूरे शहर में 20 से 25 नवम्बर, 2026 तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि देव दीपावली की रात दीपदान सम्पन्न होते ही घाटों की सफाई करा दी जाए, ताकि अगले दिन प्रातःकाल से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री जी ने टैक्सी, होटल, रेस्टोरेंट संचालकों से संवाद कर श्रद्धालुओं और पर्यटकों से सही मूल्य पर सेवायें उपलब्ध कराने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देव दीपावली आस्था के साथ–साथ काशी के आतिथ्य और प्रशासन की कार्यकुशलता का भी प्रतीक है। इसके आयोजन में अधिकाधिक स्थानीय लोगों को सहभागी बनाया जाए। देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक यहां से एक अविस्मरणीय और सुखद अनुभव लेकर लौटें, यह सुनिश्चित करना सभी का सामूहिक दायित्व है।

————————

PN-CM-Review Meeting-Varanasi Dev Deepawali-11 November, 2026